अभ्यर्थी प्रविष्टियों में आज तक कर सकेंगे ऑनलाइन संशोधन

सहायक आचार्य परीक्षा-2024

अजमेर। सहायक आचार्य (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के लिए अभ्यर्थी 10 अगस्त तक नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्मतिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन कर सकेंगे। इस परीक्षा का आयोजन 8 सितम्बर से 15 सितम्बर तक किया जाएगा।

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सहायक आचार्य संस्कृत शिक्षा परीक्षा 2024 के 15 विषयों के 200 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन 12 जनवरी को जारी किया था। संशोधन के लिए अभ्यर्थियों को ई-मित्र/ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से पांच सौ रुपए का शुल्क जमा कराना होगा। अभ्यर्थी आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध एप्लाई ऑनलाइन लिंक अथवा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन एस में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर संबंधित परीक्षा में ऑनलाइन संशोधन कर सकेंगे।

श्रीजेश-मनु भाकर होंगे समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश और महिला निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक में समापन समारोह के लिए भारत के ध्वजवाहक होंगे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईओए की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और भारतीय खेल की सराहनीय सेवा की है। उन्होंने कहा कि मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और उस सहजता और शालीनता की सराहना की जिसके साथ वह इस बात पर सहमत हुए कि श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक होना चाहिए। श्रीजेश ग्रीष्मकालीन खेलों में पुरुष हॉकी कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के जबरदस्त प्रदर्शन करने वालों में से एक थे।

श्रीजेश को हॉकी इंडिया ने बनाया जूनियर टीम कोच

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी श्रीजेश को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

दैनिक भास्कर

नई दिल्ली 10-08-2024

ओलिंपिक में 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर घर लौटीं मनु, सोसाइटी में हुआ स्वागत

युवाओं को कड़ी मेहनत करने की जरूरत, सिर्फ सपने देखने से सफलता नहीं मिलेगी: मनु भाकर

भोला पांडेय | फरीदाबाद

पेरिस ओलिंपिक में दो ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली मनु भाकर गुरुवार देर रात कड़ी सुरक्षा के बीच अपने घर ई विजा सोसाइटी पहुंचीं। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों और सोसाइटी के लोगों ने अपनी लाडली का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान छोटे बच्चे मनु के साथ सेल्फी लेने में जुटे रहे। दैनिक भास्कर से बात करते हुए मनु ने देश के युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि हमेशा बड़े सपने देख उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। तभी लक्ष्य को पाने में सफलता मिलेगी। जब तक मेहनत नहीं करोगे और केवल सपने देखते रहोगे तो सफल नहीं हो पाओगे। मनु घर पर आधा घंटे रुकने के बाद दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। शुक्रवार सुबह सीएम नायब सिंह सैनी से उनके आवास पर मुलाकात की। उसके बाद देर शाम मनु अपनी मां सुमेधा के साथ फिर से पेरिस के लिए रवाना हो गई। वहां वह ओलंपिक की क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल होंगी।

गोल्ड मेडल लाने तक जारी रहेगा सफर:

मनु भाकर ने कहा कि पेरिस ओलिंपिक में मिले दो मेडल उनकी 4 साल की कड़ी मेहनत का परिणाम है। अभी हमारा सफर यहीं खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के लिए गोल्ड मेडल लाने तक उनका शूटिंग का सफर जारी रहेगा। इस ओलिंपिक में गोल्ड के लिए जो थोड़ी कमी रह गई है उसमें सुधार करेंगी।

3 महीने आराम कर जोश के साथ मैदान में उतरेंगी मनु

मनु भाकर का स्वागत करते सोसाइटी के लोग।

मनु ने कहा ओलिंपिक खेल खत्म होने के बाद वह 3 महीने आराम करेंगी। इसके बाद उसी जोश और जुनून के साथ प्रैक्टिस के लिए मैदान में उतर जाएंगी। 2028 में होने वाले ओलिंपिक में 10 मी. व 25 मीटर एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा दोनों होंगी। हमारी कोशिश होगी कि अपना बेस्ट परफारमेंस दें। मनु की मां सुमेधा भाकर ने बताया कि 3 महीने आराम के दौरान दुबई, मालद्वीप और स्वीटजरलैंड आदि देशों में जाने की योजना है। इसके अलावा पारिवारिक सदस्यों और रिश्तेदारों से भी मनु मुलाकात करेगी।

दैनिक भास्कर
श्रीगंगानगर भास्कर 10-08-2024

नवाचार • विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने की पहल

एनईपी-2020: स्कूलों को रैंप, व्हीलचेयर व लिफ्ट के अभाव में नहीं मिल पाएगी सीबीएसई की मान्यता

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

समावेशी शिक्षा के तहत विभिन्न राज्य बोर्डों के साथ-साथ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड भी दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और सुविधाओं के लिए विशेष प्रयास और नवाचार कर रहा है। इस कड़ी में बोर्ड ने विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए सीबीएसई से संबद्ध सभी स्कूल संचालकों को रैंप निर्माण लिफ्ट, दरवाजे और व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध करवाते हुए शाला परिसर को दिव्यांगों के अनुकूल बनाने के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत अब सीबीएसई से संबद्ध सभी स्कूलों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों यानी चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स (सीडब्ल्यूएसएन) छात्रों के लिए उनकी जरूरत के मुताबिक सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी।

बोर्ड ने पाया है कि स्कूल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए ढांचागत सुविधाओं के प्रावधानों का पालन नहीं कर रहे हैं। बोर्ड ने पूर्व में संबद्ध और भविष्य में संबद्धता लेने वाले स्कूलों के लिए इन छात्रों की सुविधाओं को लेकर नए सिरे से गाइड लाइन जारी करते हुए स्कूलों के प्राचार्यों को इस संबंध में पत्र जारी किया है। आम तौर पर स्कूल भवन के सभी तलों पर रैंप या लिफ्ट की सुविधा नहीं होने के कारण विशेष आवश्यकता वाले छात्र स्कूल की कई गतिविधियों में शामिल नहीं हो पाते हैं। जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) में सामान्य बच्चों के साथ ही उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। ऐसे में बोर्ड ने सभी बच्चों के लिए स्कूलों में आसानी से आने-जाने और सभी गतिविधियों में शामिल होने को ध्यान में रखते हुए बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करने के निर्देश जारी किए हैं।

दिव्यांग छात्र-छात्राएं कर रहे हैं परेशानी का सामना

बोर्ड के अनुसार यदि सबके लिए शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करना है तो ऐसे बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बोर्ड ने स्कूलों में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। ऐसे में अब स्कूलों के गेट पर रैंप बनाने के साथ व्हील चेयर की सुविधा देनी होगी।

साथ ही टॉयलेट, लाइब्रेरी, लैब आदि तक पहुंचने के लिए रैंप बनाने और वॉकवे बाधारहित रखने होंगे।

सिर्फ भू-तल की सुविधा से हो रही खानापूर्ति : सामान्यत: देखने में आता है कि अधिकतर स्कूल रैंप, लिफ्ट, शौचालयों वाश बेसिन, ब्रेल लेखन, सांकेतिक भाषा आदि में सीडब्ल्यूएसएन हेतु जरूरी सुविधाओं के संबंध में सीबीएसई के नियमों का पालन नहीं करते हैं। कुछ स्कूलों ने केवल ग्राउंड फ्लोर के गेट पर ही रैंप की सुविधा देकर खानापूर्ति की हुई है। जबकि भवन के अलग-अलग तलों पर कई शैक्षिक गतिविधियां जैसे पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं तथा अन्य पाठ्येत्तर व सहशैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं।

फैक्ट फाइल :
- राजस्थान और गुजरात का क्षेत्रीय कार्यालय - अजमेर
- राज्य में सीबीएसई के स्कूल= 1216
- जिले में सीबीएसई के स्कूल= 84
- जिले में सीबीएसई के कुल विद्यार्थी= 51603
- गंगानगर-अनूपगढ़ में बोर्ड परीक्षाओं के विद्यार्थी=8500

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने की पहल की गई है। हालांकि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में इस संबंध में विस्तृत प्रावधान किए गए हैं। लेकिन अधिकतर स्कूल-कॉलेज इस पर अमल नहीं करते जिसकी वजह से दिव्यांग छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

एक्सपर्ट व्यू

आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 में निर्धारित प्रावधानों के तहत भी सीडब्ल्यूएसएन बच्चों हेतु ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध करवाना अनिवार्य : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के संबद्धता उपनियम 2018 में यह शामिल किया गया है कि विद्यालय को दिव्यांगों यथा उपयोगकर्ताओं के लिए शौचालयों में रैंप, प्रवेश और निकास बिंदुओं तथा लिफ्ट में ब्रेल व श्रवण संकेतों जैसी उचित सुविधाएं प्रदान करनी होगी। इसके साथ ही आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 में निर्धारित प्रावधानों के तहत भी सीडब्ल्यूएसएन बच्चों हेतु ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध करवाना अनिवार्य है। सीबीएसई की मान्यता हेतु जारी निर्देशों से दिव्यांग बच्चों का शिक्षण अधिगम आसान होगा तथा इन बच्चों को आगे उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिले सकेंगे।

– भूपेश शर्मा, समन्वयक, जिला दिव्यांगता प्रकोष्ठ, श्रीगंगानगर

दैनिक भास्कर

भीलवाड़ा भास्कर 10-08-2024

भास्कर संवाद • विद्यार्थियों ने काउंसलर से पूछे रेलवे में कॅरिअर को लेकर सवाल

टीटी की परीक्षा में पूछे जाते हैं 150 प्रश्न

भास्कर न्यूज | भीलवाड़ा

रेलवे में टीटी बनने के लिए एंटी पीसी की परीक्षा होती है। इसमें दो पेपर होते हैं। पहला सीबीटी प्रथम व दूसरा सीपीटी द्वितीय, इसमें पास होना अनिवार्य है। इस परीक्षा में भाग लेने के लिए 12वीं पास होने के साथ ही 18 वर्ष से अधिक उम्र होनी चाहिए। भारतीय रेलवे में टिकट क्लर्क या टिकट कलेक्टर की भर्ती से जुड़े सवालों के जवाब संवाद कार्यक्रम में काउंसलर ने दिए।

Q: टीटी की परीक्षा का प्रारूप कैसा होता है। रवि जैन, कुलदीप बिड़ावत, विकास कुमार जाट

A: टीटी की परीक्षा में 150 प्रश्न पूछे जाते हैं। समय -समय पर भारतीय रेलवे की तरफ से टीटी सहित अन्य पोजीशन के लिए भी आवेदन निकलते रहते हैं। प्रत्येक नियुक्ति के लिए आप अपनी योग्यतानुसार अप्लाई कर सकते हैं। इसकी वैकेंसी की जानकारी के लिए रेलवे रिक्वायरमेंट बोर्ड की वेबसाइट पर जानकारी ले सकते हैं।

Q: रेलवे में टीटी बनने के लिए क्या जरुरी है। जय श्री गुप्ता, गायत्री माली, कन्हैयालाल, प्रत्येक मालू, लक्की विश्नोई

A: 12 पास होना जरूरी है। इसके लिए प्रतियोगी परीक्षा नॉन टेक्नीकल पॉपूलर कैटेगरी (एंटी पीसी) पास करनी जरूरी होती है। इसमें कम से कम उम्र 18 वर्ष होनी जरूरी है।

Q: टीटी बनने के लिए डिप्लोमा की जरुरत होती है क्या? लीलापत, मूरली खटीक, रामलाल, नंदनी सेन, गजानंद बलाई

A: इसमें किसी भी प्रकार के डिप्लोमा या आईटीआई की जरुरत नहीं होती है। इसमें केवल 12वीं पास जरूरी है।

Q: टीटी की तैयारी कैसे करें। गौरव शर्मा, शंकर सिंह राव, रजिया बानू, आलिया पठान

A: परीक्षा में जनरल नॉलेज, रीजनिंग, तथा सामान्य मैथ्स के प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके लिए इन विषयों की किताबें खरीदकर अभ्यर्थी को प्रतियोगिता परीक्षा के लिए तैयारी करनी चाहिए। लास्ट इयर के प्रश्नपत्रों को सॉल्व करने का अभ्यास करके आगामी परीक्षा के लिए तैयारी करना कैंडिडेट्स के लिए फायदेमंद रहेगा इससे परीक्षा में सफल होने के चांस बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं।

दैनिक भास्कर
अजमेर 10-08-2024

युवा-शिक्षा-अवसर

बदलता ट्रेंड • एमबीए में हर साल बढ़ रहे आवेदन, जीसीए के बीबीए कोर्स को एनसीईटी की स्थाई मान्यता

बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में फिर बढ़ रहा स्टूडेंट्स का क्रेज, पांच साल में जीसीए में आए ढाई गुना से ज्यादा आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इस बीच अच्छी खबर ये है कि बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए और एमबीए) कोर्स का क्रेज स्टूडेंट्स में फिर से बढ़ने लगा है। एक्सपर्ट इस कारण नए उद्योगों, स्टार्टअप के आने और एक सेचुरेशन को मानते हैं।

कोविड के बाद बदली स्थिति के बीच भी इस कोर्स में प्रवेश के लिए दो से तीन गुना तक विद्यार्थी आवेदन करते रहे हैं। एसपीसीजीसीए और एमडीएस यूनिवर्सिटी में आए आवेदनों की तादाद से भी इसका पता चलता है। एसपीसीजीसीए में बीबीए विभाग के प्रभारी डॉ. हरभान सिंह कहते हैं कि मेक इन इंडिया और स्टार्टअप जैसे कॉन्सेप्ट आने के बाद सीए से लेकर व्यापार प्रबंधन के लिए जॉब के मौके बढ़े हैं।

बाजार में नए नए उद्योग और स्टार्टअप आने से भी बिजनेस को समझने वालों की डिमांड बढ़ी है। उनका कहना है कि पुराने व्यवसाय को भी लोग अब आधुनिक तकनीक के जरिये संचालित करने की ओर अग्रसर हैं इसलिए भी संबंधित क्षेत्र के युवाओं की डिमांड बढ़ रही है।

जीसीए में बीबीए की पांच साल में आवेदनों की स्थिति

सत्र	सीट	आवेदन	प्रवेश हुए
2019-20	60	105	60
2020-21	60	149	60
2021-22	60	209	60
2022-23	60	182	60
2023-24	60	149	60
2024-25	60	185	लिस्ट आना शेष

एमडीएसयू में एमबीए की पांच साल में आवेदनों की स्थिति

सत्र	सीट	आवेदन	प्रवेश हुए
2019-20	60	93	60
2020-21	60	110	60
2021-22	60	85	60
2022-23	60	108	60
2023-24	60	120	60
2024-25	60	प्रवेश आवेदन प्रक्रिया जारी	

स्थाई मान्यता से और बढ़ेंगे स्टूडेंट्स, सीटें भी बढ़ सकती हैं: हरभान सिंह

हरभान सिंह का कहना है कि जीसीए में बीबीए कोर्स एसएफएस मोड पर संचालित हैं। लेकिन फिर भी यहां बीए की तरह ही आवेदन ओवरफ्लो होते हैं यानी सीट से कई गुना ज्यादा आवेदन आते हैं। ऐसा तब है जब इस कोर्स को एआईसीटीई की स्थाई मान्यता नहीं थी। लेकिन एआईसीटीई ने 9 मई 2024 को स्थाई मान्यता दे दी। इसका फायदा अब विद्यार्थियों को आगे मिलेगा। इसके अलावा दस्तावेज वेरिफिकेशन के दौरान मान्यता वाली मार्कशीट और डिग्री होने से दिक्कतें नहीं आएंगी। स्थाई मान्यता मिलने से आवेदनों की तादाद और बढ़ने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में कॉलेजों, यूनिवर्सिटी में आवेदनों की संख्या बढ़ेगी। एसपीसी जीसीए में सीटों की तादाद भी बढ़ने की उम्मीद है।

एमडीएसः प्रवेश आवेदन के लिए 3 दिन शेष, कई कोर्सेज में प्रवेश अब तक कम हुए

अजमेर | एमडीएस यूनिवर्सिटी में विभिन्न कोर्सेज में प्रवेश आवेदन करने के लिए 3 दिन शेष है। अंतिम तिथि 12 अगस्त है। लेकिन अभी भी कई ऐसे विषय हैं जिनमें प्रवेश की स्थिति बेहद खराब है। इनमें आवेदन करने के बाद विद्यार्थी फीस जमा नहीं करा रहे हैं। ऐसे में प्रवेश की तादाद कुछ विषयों में नहीं के बराबर है। एमडीएसयू में बीएससी ऑनर्स एनवायरमेंटल साइंस में अब तक 9 विद्यार्थियों के प्रवेश हुए हैं। एमए जर्नलिज्म एंड मासकॉम में संख्या 6 तक पहुंची है। एमएससी बॉटनी में 10, जूलॉजी में 12 और डिप्लोमा कोर्स इन बेसिक ऑर्निथोलॉजी में 5 विद्यार्थियों के प्रवेश हुए हैं। हालांकि फार्मेसी विभाग में बीफार्मा में सभी 60 सीटों पर प्रवेश हो चुके हैं। मैथ्स की हालात सबसे ज्यादा खराब है। इसमें अब तक दो ही विद्यार्थियों के प्रवेश हुए हैं। बॉटनी में 10 और डीफार्मा में 40 प्रवेश हुए हैं।

खान एवं भू विज्ञान, महिला व बाल विकास विभाग के 60 पदों पर 20 और 27 तक जमा होंगे आवेदन

अजमेर | राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली खान एवं भू विज्ञान और महिला एवं बाल विकास विभाग के कुल 60 पदों की भर्ती के लिए परीक्षा आवेदन इसी माह जमा होंगे। एक परीक्षा के आवेदन 20 अगस्त और दूसरी के लिए 27 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे।

आरपीएससी ने खान एवं भू विज्ञान विभाग में भू-वैज्ञानिक के 32 पदों और सहायक खनिज अभियंता के 24 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे थे। आवेदन प्रक्रिया जारी है। इन पदों के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 20 अगस्त 2024 है। रात 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग में संरक्षण अधिकारी के 4 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। इस परीक्षा के लिए आवेदन 27 अगस्त 2024 रात 12 बजे तक किए जा सकते हैं।

पीटीईटीः अब 11 तक जमा होगी फीस, रिपोर्टिंग 12 तक

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

राज्य के बीएड कॉलेजों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अब 11 अगस्त तक फीस जमा कर सकेंगे। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि में दो दिन की बढ़ोतरी कर दी है।

पहले शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 9 अगस्त निर्धारित थी। अंतिम तिथि तक बीएड दो वर्षीय पाठ्यक्रम में करीब 14 हजार विद्यार्थी फीस जमा करने से शेष हैं। इन छात्रों के पास अब 11 अगस्त तक का समय है। वही कॉलेज में रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि 11 से 12 अगस्त निर्धारित की गई है।

पीटीईटी समन्वयक डॉ. आलोक चौहान ने बताया कि दो वर्षीय बीएड कोर्स में अब तक 93 हजार अभ्यर्थी फीस जमा कर चुके हैं। इन छात्रों को 12 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में रिपोर्टिंग करनी होगी। वहीं बीए-बीएड में के लिए 14 हजार और बीएससी-बीएड में 12 हजार अभ्यर्थियों ने फीस जमा कराई है।

प्रवेश लेने के लिए 81 में से 13 स्टूडेंट्स ही पहुंचे

इंजीनियरिंग कॉलेज बड़लिया में TFWS की सीटें खाली, अदर स्टेट कोटे की लास्ट डेट आज

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

शहर के बड़लिया स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज ने शुक्रवार को टीएफडब्ल्यूएस श्रेणी की काउंसलिंग का डेटा जारी कर दिया। यहां 81 सीटों पर महज 13 विद्यार्थी ही रिपोर्टिंग के लिए पहुंचे। प्राचार्य डॉ. रेखा मेहरा के मुताबिक सीएस ब्रांच में 23 विद्यार्थियों को अलॉटमेंट मिला था लेकिन 4 ही प्रवेश के लिए पहुंचे। सिविल ब्रांच में 10 में से 3, साइबर ब्रांच में 11 में से 3, आईटी ब्रांच में 11 में से 1, ईसीई ब्रांच एसएफएस में 1 अलॉटमेंट मिला था, लेकिन कोई नहीं पहुंचा।

सामान्य कोर्स में एक विद्यार्थी ने प्रवेश लिया। एमई एसएफएस में भी 6 में से कोई नहीं पहुंचा। सामान्य कोर्स में एक ने प्रवेश लिया। ईई में 7 अलॉटमेंट हुए थे, इसमें भी कोई प्रवेश के लिए नहीं आया। ईईई की भी तीन सीटें खाली ही रह गई है। अदर स्टेट कोटे में भी केवल 7 ही प्रवेश हुए हैं। इसमें सिविल में 3, सीएस में एक, आईटी में एक और ईसीई में दो प्रवेश हुए हैं।

अदर स्टेट कोटे के लिए आज शाम4 बजे तक करनी है रिपोर्टिंग

अदर स्टेट कोटे के तहत अलॉट किए गए विद्यार्थियों के लिए शनिवार को रिपोर्टिंग का आखिरी दिन है। बड़लिया और माखुपुरा स्थित दोनों इंजीनियरिंग कॉलेज में अलॉटिट विद्यार्थियों को शनिवार सायं 4 बजे तक हर हाल में रिपोर्टिंग करनी होगी। महिला इंजीनियरिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रकृति त्रिवेदी के मुताबिक अदर स्टेट के अलावा एक्स सर्विसमैन, कश्मीरी माइग्रेट , दिव्यांग श्रेणी की रिपोर्टिंग के तहत शुक्रवार को कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 4, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 1, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 2, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में 2 सहित कुल 9 छात्राओं ने प्रवेश लिया है। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बिहार, उत्तरप्रदेश से कुल 2 और 2 एक्स सर्विसमैन श्रेणी से प्रवेश हुए हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अलीगढ़ से1, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में हरियाणा से 1 और उत्तरप्रदेश से 1, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में पंजाब से 1 और अंबाला कैंट से 1 छात्रा ने प्रवेश लिया है।

रीट-सीटेट में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं, सीईटी में इस साल से होगी माइनस मार्किंग

अजमेर | समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) में गलत उत्तर पर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू करने को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इसको लेकर बेरोजगारों और चयन बोर्ड के अपने अलग अलग दावे हैं। एक तरफ बेरोजगार यह कहते हुए इसका विरोध कर रहे हैं कि पात्रता परीक्षा में माइनस मार्किंग नहीं की जानी चाहिए। रीट-सीटेट भी पात्रता परीक्षाएं हैं। इनमें भी माइनस मार्किंग का प्रावधान नहीं है। इसलिए सीईटी में इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए।

उधर, बोर्ड का दावा है कि अगर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू नहीं किया जाता तो इस बार करीब 6 लाख अभ्यर्थियों को सीईटी की पात्रता मिलने की संभावना है। अगर इतनी संख्या में अभ्यर्थी पात्र होंगे तो सीईटी का मकसद खत्म हो जाता। उधर, चयन बोर्ड ने सीईटी का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अभ्यर्थी 7 सितंबर तक इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पिछली बार सीईटी में 8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

10 से 12 लाख उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीदः इस बार बोर्ड को उम्मीद है कि सीईटी में 10 से 12 लाख अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर माइनस मार्किंग नहीं की जाए तो 5 से 6 लाख अभ्यर्थी पात्रता हासिल कर लेंगे। ऐसी स्थिति में टू स्टेप परीक्षा का औचित्य नहीं रह जाएगा। अब माइनस मार्किंग करने से करीब 2.50 से 3 लाख अभ्यर्थी ही पात्रता हासिल करेंगे, जो काफी है।

जिले में एक दिन में 6.4 लाख पौधे लगाए, शिक्षा विभाग ने 4.6 लाख पौध रोपे

शिक्षा विभाग ने एक ही दिन में लक्ष्य से दोगुने लगाए पौधे, 50 फीसदी का ही जिओ टैग किया

भास्कर संवाददाता | भीलवाड़ा

मिशन हरियालो राजस्थान के तहत हरियाली तीज पर प्रदेश भर में एकसाथ पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की गई। आंकड़ों के अनुसार प्रदेश भर में कुल 2 करोड़ 01 लाख 31 हजार 506 पौधे लगा दिए गए। भीलवाड़ा जिले में भी आंकड़ों के हिसाब से अलग-अलग विभागों ने मिलाकर 6 लाख 45 हजार 838 पौधे एक दिन में लगाए। शिक्षा विभाग को 2 लाख 30 हजार पौधे लगाने का टारगेट दिया गया था। विभाग ने एक ही दिन में टारगेट से अधिक 4 लाख 62 हजार 957 पौधे लगाए, जिसमें से दो लाख 4 हजार 650 पौधों की जिओ टैगिंग की जा सकी। टैगिंग का काम 7 और 8 अगस्त दोनों दिन तक जारी रहा। हरियाली तीज पर 7 अगस्त को जिले में नेटवर्क की परेशानी और सर्वर नहीं चलने से पौधों की जिओ टैगिंग नहीं हो पाई, तो टैगिंग अगले दिन भी जारी रही। इसमें शिक्षा विभाग के 14 ब्लॉक के 2980 स्कूलों में से 2922 स्कूलों के स्टूडेंट्स ने करीब 3 लाख 7 हजार 507 पौधे, टीचर्स ने 115509 पौधे और एसडीएमसी सदस्यों ने 39941 पौधे लगाए। दिए गए आंकड़ों के अनुसार जिले में मनरेगा ने 115539, वन विभाग ने 116700 और अन्य विभागों ने 149852 पौधे लगाए हैं।

ब्लॉक	लगाए गए पौधे	जिओ टैग
आसींद	21983	8405
बदनोर	16302	4091
बनेड़ा	24800	17200
बिजौलिया	21444	11429
हुरड़ा	30444	23060
जहाजपुर	43679	15331
करेड़ा	23778	12504
कोटड़ी	41209	10951
मांडल	32987	21840
मांडलगढ़	22716	9021
रायपुर	37323	26137
सहाड़ा	27458	12754
शाहपुरा	45132	11978
सुवाणा	61001	18257
कुल	**462957**	**204650**

दैनिक भास्कर
जयपुर 10-08-2024

एनआईआरएफ • सोमवार को आएगी रैंकिंग, IITJ व IIMU एक बार ही पहुंचे टॉप 100 में

7 साल से टॉप-100 संस्थानों में जगह हासिल करने में सफल रहे बिट्स पिलानी और वनस्थली विद्यापीठ

एजुकेशन रिपोर्टर | जयपुर

शिक्षा मंत्रालय की ओर से सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क जारी कर दिया जाएगा। साल 2016 से इस रैंकिंग की शुरुआत हुई थी। साल 2017 से इसमें सभी संस्थानों के लिए ओवरऑल कैटेगिरी को शामिल कर लिया गया था। 2017 से लेकर 2023तक राजस्थान के दो संस्थान हर साल टॉप-100 में जगह बनाने में सफल रहे हैं। बिट्स पिलानी और वनस्थली विद्यापीठ ने यह उपलब्धि हासिल की है। आईआईटी जोधपुर और आईआईएम उदयपुर मात्र एक बार ही टॉप-100 में शामिल हो पाए। 2020 से एमएनआईटी भी लगातार टॉप-100 में जगह बनाने में सफल रहा है। एक बार शामिल होने का मौका एसएमएस जयपुर और एम्स जोधपुर को भी मिला है। साल 2024 की 12 अगस्त को जारी होने वाली रैंकिंग पर सभी की निगाहें रहेगी। रैंकिंग दोपहर तीन बजे जारी की जाएगी। यह रैंकिंग पांच पैरामीटर्स पर दी जाएगी। हालांकि ये पैरामीटर्स लंबे समय से चले आ रहे हैं। पैरामीटर्स के सब पैरामीटर्स को अंक दिए जाते हैं।

इसलिए जरूरी होती है संस्थानों की रैंकिंग

यह रैंकिंग पैरेंट्स और स्टूडेंट्स के लिए बहुत जरूरी है। दरअसल, रैंकिंग के आधार पर ही छात्र संबंधित संस्थान का चयन करते हैं। हालांकि यह रैंकिंग आईआईटी के एडमिशन का प्रोसेस समाप्त होने के बाद रिलीज की जा रही है। रैंकिंग में मेडिकल संस्थानों की कैटेगिरी भी अलग होती है। इस रैंकिंग के आधार पर नीट यूजी क्वालिफाइड छात्रों को कॉलेज चयन में दिशा मिल पाती है।

किस साल कौनसे संस्थान रहे टॉप-100 में

2017	बिट्स, IIM उदयपुर और वनस्थली विधापीठ
2018	बिट्स और वनस्थली
2019	बिट्स और वनस्थली
2020	बिट्स, MNIT जयपुर, वनस्थली और SMS जयपुर
2021	बिट्स, वनस्थली और MNIT
2022	बिट्स, एम्स जोधपुर, वनस्थली और MNIT
2023	बिट्स, MNIT, IIT जोधपुर और वनस्थली

परसेप्शन से बदल जाती है रैंकिंग

रैंकिंग में एक बड़ा पहलू संस्थान का परसेप्शन होता है। इसी कारण क्यूएस रैंकिंग में हमारे संस्थान पिछड़ जाते हैं। हमारे संस्थानों में विदेशी छात्रों की संख्या कम और विदेशी संस्थानों में हमारे छात्रों की संख्या अधिक होने के कारण हम ग्लोबल स्तर पर पीछे हो रहे हैं। हालांकि हमारे संस्थान रिसर्च में अन्य संस्थानों से पीछे नहीं है।

हॉस्पिटल केयर टेकर: 19 माह बाद भी अंतिम परिणाम जारी नहीं

पहली बार 55 पदों पर की जा रही भर्तियां

जयपुर| आरपीएससी की देरी के कारण अस्पतालों में प्रबंधन का काम देखने वाले हॉस्पिटल केयर टेकर की अभी तक भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। विज्ञापन जारी होने के 19 माह बाद भी अंतिम परिणाम जारी नहीं होने से पात्र अभ्यर्थी भी असमंजस की स्थिति में हैं। पात्रता जांच करा चुके अभ्यर्थियों ने जल्द परिणाम जारी करने की मांग की है। अभ्यर्थियों ने कहा कि इससे बाद में होने वाली ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की भर्ती का परिणाम तक जारी कर दिया गया है लेकिन हॉस्पिटल केयर टेकर का अंतिम परिणाम जारी नहीं किया गया है। हॉस्पिटल केयर टेकर के 55 पदों पर भर्ती का विज्ञापन 23 मई 2022 को जारी किया था। 10 फरवरी 2023 को परीक्षा हुई और 11 अक्टूबर को विचारित सूची की। दस्तावेज सत्यापन तीन नवंबर को हुआ। अपात्र पाए जाने के कारण 92 को अस्थाई रूप से विचारित सूची में शामिल किया। इनकी काउंसलिंग 22 से 26 जुलाई तक गई।

नीट पीजी का आयोजन कल, 2.28 लाख छात्र देंगे परीक्षा

जयपुर | मेडिकल कॉलेजों की पीजी में दाखिले के लिए आयोजित होने वाले नीट पीजी एंट्रेंस का आयोजन 11 अगस्त को किया जाएगा। परीक्षा देश के 416 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इससे पहले यह परीक्षा 22 जून को होनी थी, लेकिन एमबीबीएस की इंटर्नशिप कट ऑफ तारीख को देखते हुए अगस्त में परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि नीट पीजी में भी पेपर आउट होने के आरोप लगे थे। बाद में नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन ने इन आरोपों को निराधार बताया था। अब एनबीई का दावा है कि परीक्षा के सभी केंद्र सुरक्षित हैं। परीक्षा में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आए, इसी वजह से एआईसीटीई अप्रूव्ड संस्थानों में ही परीक्षा का आयोजन करवाया जा रहा है। प्रवेश पत्र पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अगर किसी छात्र को उसके शहर से बाहर केंद्र आवंटित हुआ है तो उसे एक दिन पहले परीक्षा शहर में पहुंचने की सलाह दी गई है।

खान एवं भू विज्ञान में भर्ती के लिए आवेदन 20 तक

जयपुर| राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से आयोजित की जाने वाली खान एवं भू विज्ञान और महिला एवं बाल विकास विभाग के कुल 60 पदों की भर्ती के लिए परीक्षा आवेदन इसी माह जमा होंगे। एक परीक्षा के आवेदन 20 अगस्त और दूसरी के लिए 27 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे।

आरपीएससी ने खान एवं भू विज्ञान विभाग में भू-वैज्ञानिक के 32 पदों और सहायक खनिज अभियंता के 24 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे थे। आवेदन प्रक्रिया जारी है। इन पदों के लिए आवेदन की आखिरी तारीख बीस अगस्त है। रात 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग में संरक्षण अधिकारी के चार पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। इस परीक्षा के लिए आवेदन 27 अगस्त रात 12 बजे तक किए जा सकते हैं। इसके बाद अवसर नहीं दिया जाएगा।

जेट: 11500 सीटों के लिए 13 तक भर सकते हैं विकल्प

जयपुर| कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित जेट, प्री पीजी और पीएचडी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के परिणाम के बाद में अब ऑनलाइन ऑप्शन फॉर्म 8 अगस्त से शुरू कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी 13 अगस्त तक विवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन ऑप्शन फॉर्म भर पाएंगे। परीक्षा समन्वयक डॉ. मनमोहन सुंदरिया ने बताया कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा में कुल 37,394 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इसमें से 34,544 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। प्री-पीजी एवं पीएचडी-2024 के विभिन्न विषयों की लगभग 11,500 सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन ऑप्शन फॉर्म 8 अगस्त से 13 अगस्त तक जेट की अधिकारिक वेबसाइट पर भरा जा सकेगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विकल्प फॉर्म भरने के समय उपयुक्त कॉलेज का चयन करने के लिए कॉलेजों की सूची के साथ निर्धारित परफार्मा में सभी दस्तावेज उपलब्ध करवाने होंगे।

पीटीईटी: अब 11 तक जमा होगी फीस, रिपोर्टिंग 12 अगस्त तक

जयपुर| राज्य के बीएड कॉलेजों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अब 11 अगस्त तक फीस जमा कर सकेंगे। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि में दो दिन की बढ़ोतरी कर दी है। पहले शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 9 अगस्त निर्धारित थी। अंतिम तिथि तक बीएड दो वर्षीय पाठ्यक्रम में करीब 14 हजार विद्यार्थी फीस जमा करने से शेष हैं। इन छात्रों के पास अब 11 अगस्त तक का समय है। वही कॉलेज में रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि 11 से 12 अगस्त निर्धारित की गई है। पीटीईटी समन्वयक डॉ. आलोक चौहान ने बताया कि दो वर्षीय बीएड कोर्स में अब तक 93 हजार अभ्यर्थी फीस जमा कर चुके हैं। इन छात्रों को 12 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में रिपोर्टिंग करनी होगी। वहीं बीए-बीएड में के लिए 14 हजार और बीएससी-बीएड में 12 हजार अभ्यर्थियों ने फीस जमा कराई है।

पशुपालन निगम लिमि: भर्ती के लिए आवेदन 27 तक

जयपुर | भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड द्वारा पिछले सालों में खाली रहे पदों के लिए आवेदन मांगे गए है। निगम ने स्वस्थ पशु सुरक्षित पशुपालक योजना एवं कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रभारी, प्रशिक्षण समन्वयक, पशु सेवक, कार्यालय सहायक और डिजिटल मार्केटिंग पदों के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 27 अगस्त है। इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए निगम की वेबसाइट देख कर सकते हैं।

यूजीसी: अब वेट्स के माध्यम से छात्रों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

जयपुर| कॉलेजों में अब वोकेशनल एजुकेशन ट्रेनिंग एंड स्किलिंग ईकोसिस्टम (वेट्स) लागू किया जाएगा। इसके तहत रोजगार को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को ऐसे क्षेत्रों से जोड़ा जाएगा, जो स्किल डेवलपमेंट पर आधारित हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी) ने स्टेंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की है। वेट्स ईकोसिस्टम के तहत ट्रेनिंग को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है। इसमें फ्रेश स्किलिंग भी दो श्रेणियों में बांटी गई हैं। इसमें शार्ट टर्म ट्रेनिंग और लॉन्ग टर्म ट्रेनिंग शामिल है।

पहले टेस्ट व जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता की तिथियों में टकराव, शिक्षकों में भी नाराजगी

परेशानी : खेल कैलेंडर में भी शिविरा पंचाग वाली तिथि, विद्यार्थियों में असमंजस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पत्रिका
ग्राउंड रिपोर्ट

सीकर. शिविरा पंचाग के बाद खेल कैलेंडर ने भी स्कूलों की पसोपेश ज्यादा बढ़ा दी है। दरअसल, शिक्षा विभाग ने खेल कैलेंडर में भी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता की तिथि 20 से 24 अगस्त ही बताई है जो 21 से 23 अगस्त तक होने वाले पहले टेस्ट से टकरा रही है।

ऐसे में स्कूली बच्चों में गफलत बढ़ गई है कि वे परीक्षा के दौरान खेल प्रतियोगिता में कैसे हिस्सा लेंगे। इस स्थिति से खिलाड़ियों व अभिभावकों के साथ प्रदेश के शिक्षक संगठनों में भी सरकार के खिलाफ नाराजगी है।

खेल कैलेंडर में थी संशोधन की उम्मीद

इससे पहले शिविरा पंचांग में भी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता व पहले टेस्ट की तिथियां यही अंकित की गई थी। इसके साथ ही स्कूलों में असमंजस पैदा हो गया था। पर खेल कैलेंडर में तिथियों में संशोधन की उम्मीद जताई जा रही थी। पर अब माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से जारी खेल कैलेंडर में भी शिविरा पंचांग वाली ही तिथि आने पर यह उम्मीद भी खत्म हो गई। इससे बच्चों की परेशानी ज्यादा बढ़ गई है।

देर से जारी हुए पंचांग व कैलेंडर

शिविरा पंचांग व खेल कैलेंडर इस बार देर से जारी होकर भी दुरुस्त नहीं हुए। शिविरा पंचांग इस बार करीब एक महीने देरी से 28 जुलाई को जारी हुआ था। अमूमन जुलाई के अंतिम सप्ताह में जारी होने वाला खेल कैलेंडर छह अगस्त को जारी हुआ है।

खेल कैलेंडर में भी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता की तिथियों में बदलाव नहीं होने से असमंजस ज्यादा बढ़ गया है। शिक्षा विभाग को इस स्थिति को देखते हुए जल्द ही टेस्ट या खेल प्रतियोगिता में से एक की तिथि में बदलाव करना चाहिए।

बसंत कुमार ज्याणी, प्रदेश प्रवक्ता, रेस्टा

Since 1999
www.secs.ac.in, www.sobhasaria.com
SOBHAS
GROUP OF INST
NH-52, Gokulpura, Sikar-332021 | Tel: 01572-
Premier English
Admissions Ope

दैनिक भास्कर

जयपुर 10-08-2024

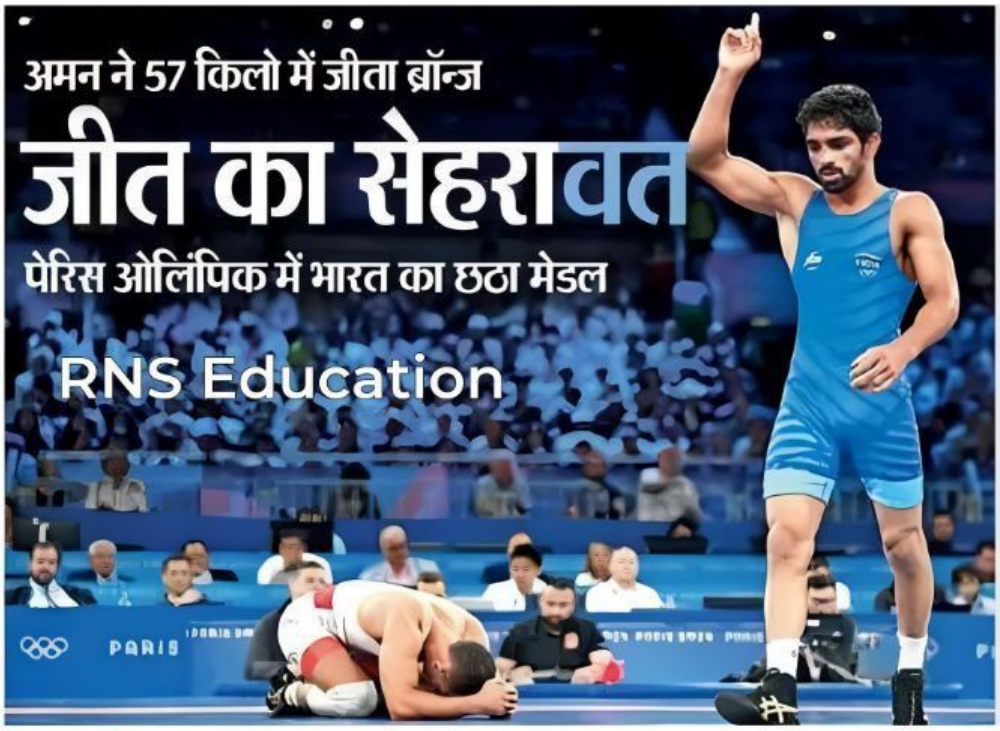

पेरिस ओलिंपिक में भारत ने छठा मेडल जीता। पहलवान अमन सहरावत ने फ्री-स्टाइल 57 किलो में प्यूर्टो रिको के डरलिन तुई क्रूज को 13-5 से हराया। लगातार 5वें ओलिंपिक में कुश्ती में मेडल।

आज इनसे उम्मीद: 76 किलोवर्ग में रेसलर रीतिका हुडा, गोल्फ में दीक्षा व अदिति उतरेंगी।

- 21 साल 24 दिन के अमन व्यक्तिगत इवेंट में मेडल जीतने वाले सबसे युवा भारतीय बने। • ओलिंपिक में मेडल लाने वाले सातवें पहलवान हैं। • पिछली बार 57 किलो में रवि दहिया सिल्वर जीते थे। • इस ओलिंपिक में भारत के 5 ब्रॉन्ज और 1 सिल्वर। • टोक्यो में 1 गोल्ड, 5 ब्रॉन्ज और 1 सिल्वर लाए थे।

विनेश पर सुनवाई पूरी, फैसले का इंतजार

विनेश को सिल्वर मेडल देने पर सुनवाई शुक्रवार को हुई। सीएएस में तीन घंटे की सुनवाई के दौरान विनेश वर्चुअली मौजूद थीं।

मां का प्यार सरहद नहीं देखता

नीरज की मां : स्वर्ण पदक जीतने वाला नदीम भी हमारा ही बच्चा है

नदीम की मां : नीरज भी नदीम का भाई है, मैंने उसके लिए भी दुआ की

पेरिस ओलिंपिक में गुरुवार देर रात जैवलिन थ्रो में पाक के अरशद नदीम ने स्वर्ण और भारत के नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीता। इस जीत पर इन दोनों की मांओं ने जो कहा, उसने हर किसी का दिल जीत लिया...

नीरज की मां सरोज ने कहा, 'हम रजत पदक के साथ खुश हैं। जिसने स्वर्ण पदक जीता, वह भी हमारा बच्चा है और जिसने रजत जीता, वह भी हमारा बच्चा है। सभी खिलाड़ी बहुत ही कड़ी मेहनत करते हैं।'

पदक जीतने के बाद नीरज व नदीम।

नदीम की मां रजिया परवीन ने कहा, 'वह भी मेरे बेटे जैसा है। वह नदीम का दोस्त और उसका भाई है। मैंने नीरज के लिए भी दुआ की। जीत-हार खेल का हिस्सा है। अल्लाह आपको भी कामयाबी बख्शे।

• नीरज बोले- बेस्ट थ्रो आना बाकी, इंजरी के कारण नहीं मिला सही रनवे... पढ़ें स्पोर्ट्स पेज पर

दैनिक भास्कर
फतेहपुर भास्कर 10-08-2024

शेखावाटी यूनिवर्सिटी; 12 कोर्स के लिए एंट्रेंस टेस्ट 18 को

मास्टर्स में शुरू किए 22 नए कोर्स, कम आवेदन के कारण 5 स्थगित

भास्कर संवाददाता | सीकर

शेखावाटी यूनिवर्सिटी कैंपस में एडमिशन के लिए आवेदन प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए आवेदन कर चुके विद्यार्थियों का एंट्रेंस एग्जाम 18 अगस्त को होगा। इसके एडमिट कार्ड 13 अगस्त को यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जारी कर दिए जाएंगे। यूनिवर्सिटी द्वारा सत्र से कैंपस में 22 नए मास्टर्स डिग्री कोर्स शुरू किए गए हैं। इनमें विद्यार्थियों के लिए प्रति सेमेस्टर 3 से 16 हजार रुपए तक की फीस निर्धारित की गई थी।

कैंपस में वही कोर्स शुरू होना था जिसमें कम से कम 10 विद्यार्थी एडमिशन लें। इन 22 कोर्स में से अकाउंटिंग एंड स्टेटिस्टिक्स, डांस, म्यूजिक, मास्टर्स इन फिजिकल एजुकेशन और मास्टर्स इन लाइब्रेरी में 10 से कम आवेदन आए हैं। इसलिए इन पांच कोर्स को इस सत्र स्थगित किया जा रहा है। कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय ने बताया कि जिन स्टूडेंट्स ने इन कोर्स में अप्लाई किया था वे 13 अगस्त तक किसी अन्य विषय में अपना ट्रांसफर करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, इकोनॉमिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, हिंदी, कंप्यूटर एप्लीकेशन और जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन कोर्स के लिए 10 से ज्यादा व मौजूदा सीटों से कम आवेदन आए हैं। इसलिए इन कोर्स में योग्यता के आधार पर विद्यार्थियों को बिना प्रवेश परीक्षा के सीधे ही प्रवेश दिया जाएगा। इस सत्र में एंट्रेंस टेस्ट केवल इंग्लिश, ज्योग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, बॉटनी, कैमेस्ट्री, मैथ्स, फिजिकल जूलॉजी, एलएलएम, एमबीए, योगा, फिजिक्स व हिस्ट्री एंड आर्कियोलॉजी विषय के लिए लिया जाएगा। एंट्रेंस टेस्ट का रिजल्ट 21 अगस्त को घोषित होगा और 23 अगस्त को मेरिट लिस्ट कैंपस में चस्पा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस सत्र में दीक्षांत समारोह की तर्ज पर ही 29 व 30 अगस्त को दीक्षारंभ समारोह होगा।

एग्जाम में कुल 150 प्रश्न पूछे जाएंगे

इस बार सीईटी परीक्षा के पैटर्न में बदलाव के साथ आवेदन की पहल

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने ग्रेजुएट लेवल भर्ती परीक्षा कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) के लिए शुक्रवार से ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर 7 सितंबर तक एप्लिकेशन फॉर्म भर सकते हैं। परीक्षा के जरिए राजस्थान की बड़ी भर्तियों में उम्मीदवार भाग ले सकेंगे, जिसमें प्लाटून कमांडर, जेलर, पटवारी, जिलेदार, बीडीओ, तहसील रेवन्यू अकाउंटेंट शामिल हैं। लेकिन इस बार इस परीक्षा में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। पहला बदलाव यह है कि इस बार सीईटी परीक्षा में निगेटिव मार्किंग रखी गई है। इससे पहले राज्य के किसी भी एलिजिबिलिटी एग्जाम में निगेटिव मार्किंग नहीं रखी गई है। रीट, पीटीईटी, सेट, नेट आदि एग्जाम भी बिना किसी निगेटिव मार्किंग के होते हैं। ऐसे में इस साल परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों को ध्यान से क्वेश्चन अटेम्प्ट करने होंगे। क्योंकि गलत जवाब के लिए आपके एक तिहाई अंक काट लिए जाएंगे। सीईटी परीक्षा में दूसरा बदलाव सवाल के विकल्पों को लेकर हुआ है।

4 की जगह 5 विकल्प दिए जाएंगे

अब हर सवाल का जवाब देने के लिए 4 की जगह 5 विकल्प दिए जाएंगे। पहले सीईटी एग्जाम के जरिए भर्तियों में किसी भी वैकेंसी के केवल 15 गुना ज्यादा अभ्यर्थियों को ही मुख्य परीक्षा के लिए बुलाया जाता था। इससे केवल वे उम्मीदवार ही सरकारी नौकरी की परीक्षाएं देते थे और बाकि अभ्यर्थियों को मौका नहीं मिल पाता था। लेकिन अब नए परिवर्तन के मुताबिक 40 प्रतिशत अंक लाने वाले अभ्यर्थी भी मुख्य भर्ती परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। सीईटी एग्जाम में कुल 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। यह परीक्षा एमसीक्यू टाइप में ली जाएगी। जिसे अभ्यर्थियों को कुल 3 घंटे में हल करना होगा।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 10-08-2024

युवा-शिक्षा-अवसर

इंग्लिश मीडियम स्कूल: 15 अगस्त प्रवेश की अंतिम तिथि, दुविधा में 10वीं पास विद्यार्थी

सूरसागर सहित 15 स्कूलों में 11वीं कक्षा के प्रवेश अटके, नहीं मिली संकाय की मंजूरी

एजुकेशन रिपोर्टर| बीकानेर

हल्दीराम राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक अंग्रेजी मीडियम सूरसागर स्कूल सहित राज्य के करीब 15 इंग्लिश मीडियम स्कूलों में 11वीं कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। 9वीं से 12वीं कक्षा में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अगस्त निर्धारित है। सूरसागर इंग्लिश मीडियम स्कूल सहित अन्य 15 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में इसी शिक्षा सत्र से 11वीं कक्षा शुरू हो रही है। 11वीं कक्षा में विज्ञान संकाय स्वीकृति के प्रस्ताव भेजे गए हैं। लेकिन अभी तक प्रस्तावों को मंजूरी नहीं मिली है। ऐसे में इन स्कूलों से 10वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को आगे प्रवेश को लेकर समस्या खड़ी हो गई है। सूरसागर इंग्लिश मीडियम स्कूल से 10वीं में 42 छात्राएं उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें से अनेक छात्राएं 11वीं कक्षा में साइंस विषय लेना चाह रही है। लेकिन अभी तक विषय और संकाय की स्वीकृति नहीं मिलने से इन छात्राओं को प्रवेश नहीं मिल पाया है। ऐसे में अनेक छात्राएं निजी स्कूलों में प्रवेश लेने को मजबूर हैं।

171 इंग्लिश स्कूल, 10वीं के बाद की पढ़ाई आठ स्कूलों में

जिले में 171 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल संचालित किया जा रहे हैं। शिक्षा सत्र 2019-20 और 2020-21 में शुरू हुए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में से अब तक जिले के केवल आठ स्कूलों में 11वीं -12वी कक्षाओं का संचालन हो रहा है। इनमें शहरी क्षेत्र में केवल इंग्लिश मीडियम स्कूल मुरलीधर है। शेष सभी सात स्कूल में ग्रामीण क्षेत्र के हैं। आठ में से केवल तीन स्कूल ही ऐसे हैं जिनमें आर्ट्स और साइंस दोनों फैकल्टी है। शेष पांच स्कूलों में सिर्फ साइंस फैकल्टी ही स्वीकृत की गई है।

11वीं कक्षा में साइंस फैकल्टी स्वीकृत करने के प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भेजे गए हैं। स्वीकृति मिलने पर 11वीं कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। - परमेश्वर स्वामी, प्रिंसिपल, हल्दीराम राबाउमावि अंग्रेजी माध्यम सूरसागर

प्रवेश की अंतिम तिथि में सप्ताहभर का समय शेष बचा है। लेकिन अभी तक इंग्लिश मीडियम स्कूलों में विषय और संकाय स्वीकृत नहीं हुए हैं। राज्य सरकार को नया शिक्षा सत्र शुरू करने के साथ ही स्कूलों में विषय और संकाय की स्वीकृति देनी चाहिए। - किशोर पुरोहित, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ भगतसिंह

बीटेक द्वितीय वर्ष में प्रवेश आज से, ईसीबी में 375 सीट निर्धारित

केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया लीप - 2024 के जरिए होंगे प्रवेश

बीकानेर| इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर सहित राज्य के अन्य महाविद्यालयों में बीटेक द्वितीय वर्ष की लेटरल एंट्री इन इंजीनियरिंग प्रोग्राम (लीप) प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ईसीबी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन शर्मा ने बताया की बीटेक दूसरे वर्ष सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 10 अगस्त से आवेदन कर सकेंगे। ईसीबी के आठ ब्रांचों की 375 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को 1100 रूपए शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन, फॉर्म भरने की और पंजीयन शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 20 अगस्त है। इसके साथ ही आवेदन फॉर्म में कॉलेज चॉइस भरने अथवा लॉक करने की अंतिम तिथि 28 अगस्त रहेगी।

ये रहेगी न्यूनतम योग्यता : राजस्थान लीप-2024 में भाग लेने के लिए उम्मीदवार के पास 45 प्रतिशत न्यूनतम अंकों (40% रिजर्व्ड केटेगरी) के साथ इंजीनियरिंग की किसी भी ब्रांच में 3 वर्षीय डिप्लोमा अथवा गणित विषय में बीएससी (10+2 में गणित विषय जरूरी) वहीं 45 प्रतिशत न्यूनतम अंकों (40% रिजर्व्ड केटेगरी) के साथ इंजीनियरिंग फील्ड में डिप्लोमा इन वोकेशन।

यूजी प्रवेश : श्रेणी वार रिक्त सीटों पर ऑनलाइन आवेदन हुए शुरू

बीकानेर| स्नातक प्रथम वर्ष में श्रेणीवार रिक्त रही सीटों पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राजकीय गंगाशहर कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष में 200 सीटों पर 139 अभ्यर्थियों का प्रवेश हो गया है। शेष रिक्त रही ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी, एमबीसी की सीटों पर अभ्यर्थी 16 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। राजकीय मुरलीधर कन्या कॉलेज में 69 छात्राओं को प्रवेश मिला है। वहां सभी केटेगरी में सीटें रिक्त है। प्रवेश की इच्छुक छात्राएं निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकेंगी। आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन 17 अगस्त तक किया जाएगा। रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 20 अगस्त को होगा। मूल दस्तावेजों का सत्यापन और ईमित्र पर शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त निर्धारित रहेगी। प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची 27 अगस्त को घोषित होगी।

खान एवं भू विज्ञान में भर्ती के लिए आवेदन 20 तक

बीकानेर| राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से आयोजित की जाने वाली खान एवं भू विज्ञान और महिला एवं बाल विकास विभाग के कुल 60 पदों की भर्ती के लिए परीक्षा आवेदन इसी माह जमा होंगे। एक परीक्षा के आवेदन 20 अगस्त और दूसरी के लिए 27 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे।

आरपीएससी ने खान एवं भू विज्ञान विभाग में भू-वैज्ञानिक के 32 पदों और सहायक खनिज अभियंता के 24 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे थे। आवेदन प्रक्रिया जारी है। इन पदों के लिए आवेदन की आखिरी तारीख बीस अगस्त है। रात 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग में संरक्षण अधिकारी के चार पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। इस परीक्षा के लिए आवेदन 27 अगस्त रात 12 बजे तक किए जा सकते हैं। इसके बाद अवसर नहीं दिया जाएगा।

जेट: 11500 सीटों के लिए 13 तक भर सकते हैं विकल्प

बीकानेर| कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित जेट, प्री पीजी और पीएचडी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के परिणाम के बाद में अब ऑनलाइन ऑप्शन फॉर्म 8 अगस्त से शुरू कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी 13 अगस्त तक विवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन ऑप्शन फॉर्म भर पाएंगे। परीक्षा समन्वयक डॉ. मनमोहन सुंदरिया ने बताया कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा में

कुल 37,394 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इसमें से 34,544 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। प्री-पीजी एवं पीएचडी-2024 के विभिन्न विषयों की लगभग 11,500 सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन ऑप्शन फॉर्म 8 अगस्त से 13 अगस्त तक जेट की अधिकारिक वेबसाइट पर भरा जा सकेगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विकल्प फॉर्म भरने के समय उपयुक्त कॉलेज का चयन करने के लिए कॉलेजों की सूची के साथ निर्धारित परफार्मा में सभी दस्तावेज उपलब्ध करवाने होंगे।

पीटीईटी: अब 11 तक जमा होगी फीस, रिपोर्टिंग 12 अगस्त तक

बीकानेर| राज्य के बीएड कॉलेजों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अब 11 अगस्त तक फीस जमा कर सकेंगे। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि में दो दिन की बढ़ोतरी कर दी है। पहले शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 9 अगस्त निर्धारित थी। अंतिम तिथि तक बीएड दो वर्षीय पाठ्यक्रम में करीब 14 हजार विद्यार्थी फीस जमा करने से शेष हैं। इन छात्रों के पास अब 11 अगस्त तक का समय है। वही कॉलेज में रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि 11 से 12 अगस्त निर्धारित की गई है। पीटीईटी समन्वयक डॉ. आलोक चौहान ने बताया कि दो वर्षीय बीएड कोर्स में अब तक 93 हजार अभ्यर्थी फीस जमा कर चुके हैं। इन छात्रों को 12 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में रिपोर्टिंग करनी होगी। वहीं बीए-बीएड में के लिए 14 हजार और बीएससी-बीएड में 12 हजार अभ्यर्थियों ने फीस जमा कराई है।

पशुपालन निगम लिमि: भर्ती के लिए आवेदन 27 तक

बीकानेर | भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड द्वारा पिछले सालों में खाली रहे पदों के लिए आवेदन मांगे गए है। निगम ने स्वस्थ पशु सुरक्षित पशुपालक योजना एवं कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रभारी, प्रशिक्षण समन्वयक, पशु सेवक, कार्यालय सहायक और डिजिटल मार्केटिंग पदों के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 27 अगस्त है। इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए निगम की वेबसाइट देख कर सकते हैं।

एलडीसी भर्ती परीक्षा कल, बीकानेर में 16598 अभ्यर्थी

बीकानेर| राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 11 अगस्त को कनिष्क सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2024 आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पारियों में आयोजित की जाएगी। बीकानेर में पंजीकृत 16591 अभ्यर्थियों के लिए 26 परीक्षा केंद्र गठित किए गए हैं। परीक्षा पहली पारी में सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पारी में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक होगी। पहली पारी में 8299 और दूसरी पारी में 8299 अभ्यर्थी शामिल होंगे। बीकानेर संयुक्त परीक्षा साथ संभाग मुख्यालय पर आयोजित की जा रही है। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी के प्रेविजनल ई प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 68 साल में मात्र 82 सीटें बढ़ी

फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ अंग्रेजी सब्जेक्ट में 60 फीसदी अंक जरूरी

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 68 साल में मात्र 82 सीटें बढ़ी है, जिसमें प्रवेश का लक्ष्य सभी टॉपर्स का होता है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित नीट यूजी परीक्षा के लगभग सभी टॉपर्स का दिल्ली एम्स से एमबीबीएस करने का सपना होता है। दिल्ली एम्स की गिनती अंतरराष्ट्रीय मेडिकल संस्थानों में होती है। यहां की कार्यप्रणाली और बेहतरीन शिक्षा पद्धति के चलते यह देश में भी सर्वोच्च स्थान पर है। दिल्ली एम्स की शुरुआत 1956 से हुई थी, उस समय 50 सीट इसमें एमबीबीएस की थी। वर्तमान में एम्स में 125 सीट भारतीय और 7 सीट विदेशी कैंडिडेट्स के लिए हैं। एम्स ने साल 2024 में एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश के लिए एडमिशन ब्रॉशर वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसमें एमबीबीएस कोर्स की विस्तृत डिटेल भी है।

यह होगी कवायद

मेडिकल काउंसलिंग कमेटी की 15 फीसदी सेंट्रल कोटा की काउंसलिंग 14 अगस्त से शुरू हो रही है। इसमें राउंड वन का परिणाम 23 अगस्त को जारी होगा। इसके बाद मूल दस्तावेजों का सत्यापन 24 से 29 अगस्त के बीच होगा तथा फीस जमा और मेडिकल एग्जामिनेशन 30 अगस्त को होगा। ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2 से 8 सितंबर के बीच होगा। देश में नौ एम्स में करीब 12 सौ से अधिक सीटें हैं।

20 पेज की विस्तृत सूची

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली ने साल 2024 में एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश के लिए एडमिशन ब्रोशर पूरा 20 पेज का है। ब्रॉशर में एमबीबीएस कोर्स के साथ-साथ एडमिशन की पात्रता और शर्तें भी जारी की गई हैं, जिसमें एमबीबीएस सीटों की संख्या और रिजर्वेशन पॉलिसी भी बताई गई है। ब्रॉशर में यह साफ कर दिया है कि एम्स संस्थानों में एमबीबीएस कोर्स की शैक्षणिक पात्रता मेडिकल संस्थानों से अलग है। एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि एम्स से एमबीबीएस करने के लिए कैंडिडेट्स को 12वीं की परीक्षा में फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी के साथ अंग्रेजी सब्जेक्ट में 60 फीसदी अंक होना जरूरी है। यह जनरल, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी (एनसीएल) कैटेगरी के लिए है, जबकि एससी और एसटी कैटेगरी के लिए यह पात्रता 50 फीसदी है।

दिल्ली एम्स में कब-कब हुई सीट की संख्या में बढ़ोतरी

सन 1956 में 50 सीटों से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हुई।

सन 2008 में एमबीबीएस की सीट बढ़कर 77 हुई थी। सन 2017 में एमबीबीएस की सीटों में बढ़ोतरी होकर 107 हुई।

अंतिम बार सन 2020 में सीट बढ़कर 132 पर पहुंची थी।

बचपन में ही अपने माता-पिता को खो दिया था

अमन सहरावत ने जीता कांस्य

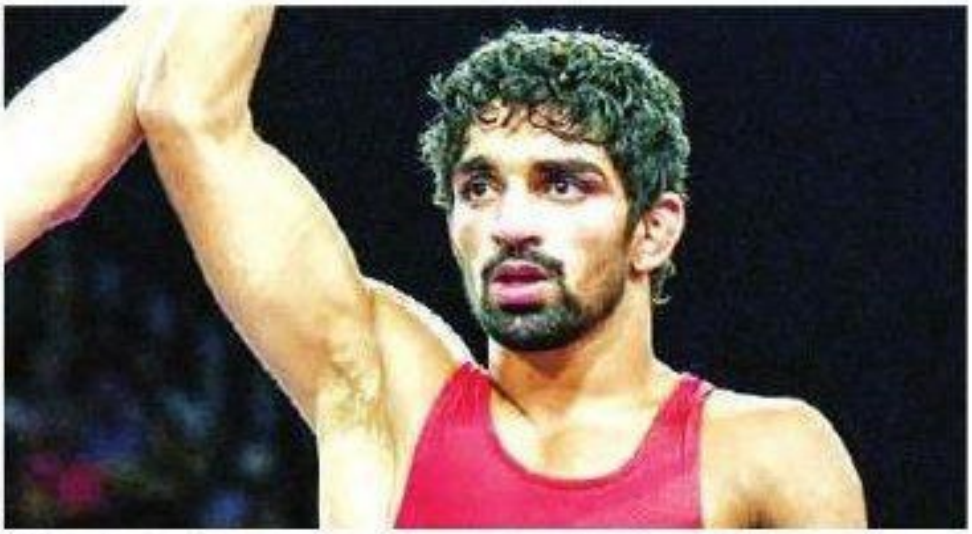

पेरिस। भारत के पहलवान अमन सहरावत ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 57 किग्रा भारवर्ग कुश्ती का कांस्य पदक जीत लिया है। हरियाणा के झज्जर के अमन ने बचपन में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। उनके जाने के बाद घर की आर्थिक स्थिति काफी बिगड़ गई थी। उन्होंने पुअर्तो रिको के पहलवान डैरियन टोई क्रूज को आसानी से 13-5 से हरा दिया। पहले राउंड में ही अमन 6-3 की मजबूत बढ़त बना ली थी। दूसरे राउंड अमन ने इस बढ़त को और आगे बढ़ाया और क्रूज को कोई मौका नहीं दिया। इस तरह अमन सहरावत ने जीत हासिल की। अमन पेरिस ओलंपिक में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे। हालांकि, उन्होंने पदकों के सिलसिले को बरकरार रखा। भारत 2008 बीजिंग ओलंपिक के बाद से हर ओलंपिक में कुश्ती में पदक जीत रहा है। 2008 में सुशील कुमार ने कांस्य, 2012 में सुशील ने रजत और योगेश्वर दत्त ने कांस्य, 2016 में साक्षी मलिक ने कांस्य, 2020 टोक्यो ओलंपिक में बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता था। अमन का यह पहला ओलंपिक था और उन्होंने अपने पहले ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीत लिया है। इस ओलंपिक में कुश्ती में भारत का खाता खोला। विनेश फोगाट के डिसक्वालिफाई होने के बाद निराशा में डूबे भारत को उन्होंने खुशियां दी हैं।

खेल पंचाट में विनेश फोगाट की अपील पर सुनवाई पूरी, आज आ सकता है फैसला

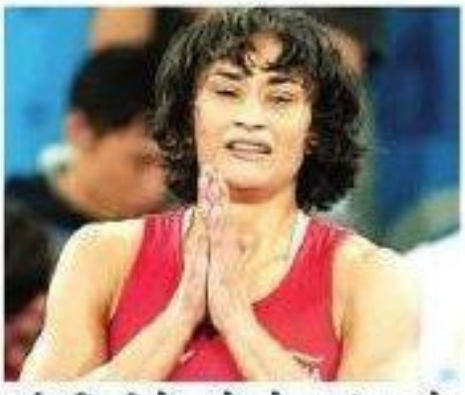

पेरिस। महिला पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर खेल पंचाट (सीएएस) में सुनवाई पूरी हो गई है। उनकी अपील पर फैसला शुक्रवार देर रात या शनिवार तक आ सकता है। विनेश को महिला 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था जिस कारण वह पदक जीतने से चूक गई थीं। विनेश ने खेल पंचाट के सामने दो अपील की थी। पहली यह कि उन्हें स्वर्ण पदक मैच में खेलने का मौका दिया जाएगा। दूसरा यह कि उन्हें संयुक्त रूप से रजत पदक मिले। पहली अपील को खेल पंचाट ने खारिज कर दिया था और कहा था कि हम फाइनल को नहीं रोक सकते। भारतीय ओलंपिक समिति (आईओए) ने इस मामले का सकारात्मक हल निकलने की उम्मीद जताई है।